



R. 894-III/13

श्री महेन्द्र सिंह एस.  
वाराणसी 01-01-13

बलक शाफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल, म०प्र०  
खालियर

01  
1-1-13

27-2-13

1। मैथिलीशरण पाण्डेय तनयश्री, रामकुमार ब्रा० ग्राम बधवारी तहसील  
त्यौथर जिलारीवा म०प्र०।

2। शंकरलाल तनयश्री अनंतुड्याएसद वर्मा ग्राम पूर्वा तहसील त्यौथर  
जिलारीवा म०प्र० -- -- -- निगरानी कर्तागण

वनम

1। देवेन्द्रकुमार तनयश्री मैथिलीशरण पाण्डेय ग्राम बधवारी तहसील  
त्यौथर जिलारीवा म०प्र०।

2। शंकरलाल म०प्र० -- -- -- -- निगरानी कर्तागण

निगरानी विरुद्ध आदेश न्यायालय  
तहसीलदार त्यौथर बृहत ग्नी के रा०  
म०प्र० 1383/11-12 आदेश दिनांक 6/10/  
की पारित किया गया।

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० मू०र  
1959 ई०

मान्यवर,

निगरानी आवेदनपत्र के आधार निम्नार्थित है:--

1। यहाँक माननीय अधीनस्थ न्यायालय का आदेश विधि एवं प्रक्रिया  
के विरुद्ध होने से निरस्त किया जाने योग्य है।

2। यहाँक प्रकरण की संक्षिप्त कहानी का प्रकार है कि निगरानी कर्ता  
म०प्र० ग्राम बधवारी तह० त्यौथर जिला रीवा के पुस्तनी निवासी  
तथा ग्राम पूर्वा म०प्र० ह० चौडा तह० त्यौथर जिला रीवा म०प्र० के  
अन्तर्गत आ० नं० 96/11 रक्वा 1288 के भूमि स्वामी क्रमां: निगरानी क  
म०प्र० मैथिलीशरण, राममज, राजेन्द्रप्रसाद व राममर्ष तमी के पिता रा  
ब्रा० सा० बधवारी तह०दार के रूप में राजस्व अभिलेखों में बहिस्त  
वरावर दर्ज थे जिसमें एक तह०दार राममज ने अर्था 20 वर्ष पूर्व अ  
हिस्से की भूमि निगरानी कर्ता म०प्र० 2 शंकरलाल तनयश्री, अनंतुड्याएस

मैथिलीशरण पाण्डेय शंकरलाल

मैथिली शरण पत्रिका / देवी लक्ष्मी

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
25-4-15	<p>- आवेदक को अोट से श्री महेन्द्र सिंह, एड. 350/</p> <p>- बहसिलदार का अभिलेख प्राप्त हो गया है।</p> <p>- अना. की तलबी के लिए आवेदक द्वारा तलवाता प्राप्त नहीं किया गया।</p> <p>- आवेदक को अोट से अधिकतम श्री सिंह द्वारा बताया गया कि इन पक्षों को अपनी राजीनामा देना है, जो कि आली पैनी पर इतरिफत हो कर राजीनामा देना करेगा।</p> <p>- वास्ते राजीनामा है।</p> <p>C.F. 14.6.16</p> <p>आदेश से, 14/6/16</p>	<p>14.6.16</p> <p>(14)</p>
14-6-16	<p>आवेदक श्री महेन्द्र सिंह उपस्थित / अना. की अोट से अोट उप. नहीं / आवेदक अना. द्वारा राजीनामा प्रस्तुत कर बताया कि उभय पक्षों के मध्य राजीनामा हो गया है।</p> <p>अतः प्रकरण तहसीलदार स्पायंट को उर निर्देश के साथ वापस किया जाता है कि विधि सम्मत कार्यवाही कर निशकरोके प्रकरण समाप्त किया जाता है।</p> <p>सहित</p>	<p>C.F. 14.6.16</p> <p>(14)</p>

(71)

✓